ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-१५
दिनांक-शुक्रवार,२२ फरवरी,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २७.३ एवं ११.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८० सुबह में एवं दोपहर में ५३ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.१ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.६ एवं दोपहर में २६.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२३ से २७ फरवरी, २०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २३ से २७ फरवरी, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में २६-२७ फरवरी के आस-पास गरज वाले बादल बन सकते है। इसके प्रभाव से अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर ओला परने की संभावना है। वर्षा के दौरान हवा तेज रह सकती है।
- अधिकतम तापमान २५ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १२ से १५ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ८-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिन पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- २६ से २७ फरवरी में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यो में सर्तकता बरतें। खड़ी फसलो में सिंचाई स्थगित रखे। फसलों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें। इस अवधि के दौरान सरसों की तैयार फसलों की कटाई नहीं करें।
- अगात आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। आलू की फसल जो कृषक बंधु बीज के लिए रखना चाहते हैं उसकी ऊपरी लत्तर की कटाई कर दें।
- गरमा मक्का की बुआई के लिए वैसी निचली भूमि का चयन करें जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हों। गरमा मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १०-१५ टन गोबर की खाद, ५० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १,२,३,४ एवं शक्तिमान ५ किस्में अनुशंसित है। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें।
- सुर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पुर्व १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- गरमा सब्जियों की बुआई करें। भिंडी के लिए *परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के०एस०-३१२* लौकी के लिए *राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लाँग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड* नेनुआ के लिए *राजेन्द्र नेनुआ-१, पूसा चिकनी पूसा प्रिया, कल्याणपुर चिकनी* करेला के लिए *पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लाँग, पंत करेला और कल्याणपुर बारहमासी* अनुशंसित किस्में हैं। स्वस्थ फसल के लिए बीज को सदैव उपचारित कर बुआई करें।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। अतः सरसों में इस कीट की निगरानी करें। फसल में इस कीट का प्रकोप होने पर बचाव के लिए डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर समान रुप से छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। यह प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। तापमान में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ फसल में इस कीट की सक्रियता में वृद्धि होती है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा-मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- अगात बोयी गई गेहूँ की दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी का विशेष ध्यान रखें। इस अवस्था में नमी की कमी रहने से उपज में कमी आती है।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः १४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.५ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी